Daily Current Affairs 04/08/2021

1. आठ कोर उद्योगों के संयुक्त सूचकांक में जून 2020 के सूचकांक के मुकाबले 8.9 प्रतिशत की वृद्धि

चर्चा में क्यों?

- **आठ कोर उद्योगों का संयुक्त सूचकांक जून 2021 में 126.6** पर रहा जिसमें जून 2020 की तुलना में **8.9 फीसदी की वृद्धि** दर्ज की गई।
- कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में जून 2021 में गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि हुई।

प्रमुख बिंदु

आठ कोर उद्योगों के सूचकांक (ICI) के बारे में:

- ICI चयनित आठ प्रमुख उद्योगों- **कोयला, प्राकृतिक गैस, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, सीमेंट, इस्पात, और बिजली** में संयुक्त और व्यक्तिगत उत्पादन का आकलन करता है।
- **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)** में शामिल वस्तुओं के कुल भारांक (वेटेज) का **40.27 प्रतिशत हिस्सा आठ कोर उद्योगों** में ही निहित होता है।

आठ कोर उद्योगों के सूचकांक का सार:

- **कोयला:** जून, 2021 में कोयला उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 7.4 प्रतिशत बढ़ गया।
- **कच्चा तेल:** जून, 2021 के दौरान कच्चे तेल का उत्पादन जून, 2020 की तुलना में 1.8 प्रतिशत गिर गया।
- **प्राकृतिक गैस:** जून, 2021 में प्राकृतिक गैस का उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 20.6 प्रतिशत बढ़ गया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **रिफाइनरी उत्पाद:** पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन जून, 2021 में जून, 2020 के मुकाबले 2.4 प्रतिशत बढ़ गया।
- **उर्वरक:** जून, 2021 के दौरान उर्वरक उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 2.0 प्रतिशत बढ़ गया।
- **इस्पात:** जून, 2021 में इस्पात उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 25.0 प्रतिशत बढ़ गया।
- **सीमेंट:** जून, 2021 के दौरान सीमेंट उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 4.3 प्रतिशत बढ़ गया।
- **बिजली:** जून, 2021 के दौरान बिजली उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 7.2 प्रतिशत बढ़ गया।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के बारे में:

- IIP भारत के लिए एक सूचकांक है जो बिजली, खनिज खनन और विनिर्माण जैसे अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों के विकास का विवरण देता है।
- अखिल भारतीय IIP एक समग्र संकेतक है जो एक निश्चित अवधि के दौरान एक चुनी हुई आधार अवधि के संबंध में औद्योगिक उत्पादों की एक टोकरी के उत्पादन की मात्रा में अल्पकालिक परिवर्तनों को मापता है।
- इसे **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय** द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।
- वर्तमान आधार वर्ष 2011-2012 है।

IIP का महत्व:

- इसका उपयोग विभिन्न सरकारी एजेंसियों जैसे वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक, निजी फर्मों और विश्लेषकों द्वारा किया जाता है।
- डेटा का उपयोग तिमाही आधार पर **सकल घरेलू उत्पाद** में विनिर्माण क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धित को संकलित करने के लिए भी किया जाता है।

स्रोत: PIB

2. राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) का 112वां वार्षिक दिवस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया** ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) के 112वें वार्षिक दिवस समारोह की अध्यक्षता की।

प्रमुख बिंदु

पहलों की शुरुआत

जीनोम लैब:

- इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) व BSL 3 प्रयोगशाला के लिए संपूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग नेशनल रिफरेंस लेबोरेटरी का उद्घाटन किया।

सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) सामग्री:

- NCDC में जूनोटिक रोग कार्यक्रम के प्रभाग ने **"जूनोस की रोकथाम व नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य कार्यक्रम"** के तहत 7 प्राथमिकता वाले जूनोटिक बीमारियों पर IEC सामग्री (प्रिंट, ऑडियो और वीडियो) तैयार की है। भारत में इन बीमारियों में रेबीज, स्क्रब टाइफस, एंथ्रेक्स, CCHF, ब्रुसेलोसिस, निपाह और क्यासानूर फॉरेस्ट डिजीज हैं।

"जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम" के तहत अनुकूलन योजना:

- मंत्री ने **वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना** और **गर्मी पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना** की भी शुरुआत की।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) के बारे में:

- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (जिसे पहले **राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान** के रूप में जाना जाता था) **भारतीय स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** के अधीन एक संस्थान है।

इतिहास:

- NCDC की उत्पत्ति का पता सेंट्रल मलेरिया ब्यूरो से लगाया जा सकता है, जिसकी स्थापना 1909 में भारत के हिमाचल प्रदेश के कसौली में की गई थी।
- 1938 में इसका नाम बदलकर मलेरिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर दिया गया और 1963 में इसका नाम बदलकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेबल डिजीज कर दिया गया।
- 30 जुलाई 2009 को इसे **NCDC** नाम दिया गया।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

3. भारत और बांग्लादेश के बीच हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेलवे लिंक

चर्चा में क्यों?

- भारत और बांग्लादेश के बीच **हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेलवे लिंक** पर वाणिज्यिक सेवाएं, जो 50 वर्षों से अधिक समय से बंद थी, एक मालगाड़ी के साथ शुरू हुई।
- **हल्दीबाड़ी (भारत)-चिलाहाटी (बांग्लादेश) रेल लिंक** को 17 दिसंबर, 2020 को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा यात्रियों एवं माल की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया था।

प्रमुख बिंदु

पृष्ठभूमि:

- हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेल लिंक 1965 तक खुला हुआ था।
- 1965 के (भारत-पाक) युद्ध ने भारत और बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) के बीच सभी रेल संपर्कों को प्रभावी तरीके से बंद कर दिया।
- अभी तक भारत और बांग्लादेश को जोड़ने वाले पांच लिंक पर संचालन शुरू किया गया है। इनमें पेट्रापोल (भारत)-बेनापोल (बांग्लादेश), सिंहबाद (भारत) - रोहनपुर (बांग्लादेश), गेडे (भारत) - दर्शन (बांग्लादेश), राधिकापुर (भारत) -बिरोल (बांग्लादेश) शामिल हैं। वहीं हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी ऐसा पांचवां रेल लिंक है।

महत्व:

- रेल लिंक व्यापार और आर्थिक विकास के विकास में सहायता करेगा।
- 75 किलोमीटर लंबा ट्रैक **सिलीगुड़ी कॉरिडोर** जिसे **'चिकन नेक'** भी कहा जाता है, के साथ देश के बाकी हिस्सों को बेहतर ढंग से एकीकृत करने में मदद करेगा ।

नोट:

- भारतीय प्रधानमंत्री की 27 मार्च 2021 को बांग्लादेश के ढाका की यात्रा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त रूप से एक यात्री ट्रेन सेवा **मिताली एक्सप्रेस (न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका)** की घोषणा की थी।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 मार्च 2021 को भारत और बांग्लादेश के बीच **'मैत्री सेतु'** (1.9 किलोमीटर लंबा पुल) का उद्घाटन किया । इसे **फेनी नदी** पर बनाया गया है जो त्रिपुरा राज्य और बांग्लादेश में भारतीय सीमा के बीच बहती है।
- अगरतला और बांग्लादेश में अखौरा के बीच एक और रेलवे लाइन 2021 के अंत तक पूरी हो जाएगी।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

4. COVID-19 से रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए 'अश्वगंधा'

चर्चा में क्यों?

- **भारत और यूके COVID-19 से रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए 'अश्वगंधा'** का क्लिनिकल परीक्षण करेंगे।
- **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान** (AIIA), **आयुष मंत्रालय** के अधीन एक स्वायत्त निकाय और **ब्रिटेन के लन्दन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (LSHTM)** ने हाल ही में अश्वगंधा के नैदानिक परीक्षणों का संचालन करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु

अश्वगंधा के बारे में:

- **अश्वगंधा (विथानिया सोम्निफेरा),** जिसे आमतौर पर 'इंडियन विंटर चेरी' के नाम से जाना जाता है, एक पारंपरिक भारतीय जड़ी बूटी है जो ऊर्जा को बढ़ाती है, तनाव को कम करती है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती है।
- परीक्षण का सफल समापन एक बड़ी सफलता हो सकती है और भारत की पारंपरिक औषधीय प्रणाली को वैज्ञानिक वैधता प्रदान कर सकती है।
- इसके औषधीय और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभावों पर पर्याप्त साहित्य के साथ, अध्ययन से पता चलता है कि 'अश्वगंधा' COVID-19 के दीर्घकालिक लक्षणों को कम करने के लिए एक संभावित चिकित्सीय उम्मीदवार के रूप में है।

स्रोत: द हिंदू

5. पश्चिमी घाट में मेंढक की नई प्रजाति: "मिनरवेरिया पेंटाली"

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

चर्चा में क्यों?

- दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम ने पश्चिमी घाट में मेंढक की एक नई प्रजाति की खोज की है और इसका नाम DU के पूर्व कुलपति और पादप आनुवंशिकीविद् दीपक पेंटल के नाम पर रखा है।

प्रमुख बिंदु

- मेंढक की नई प्रजाति **डिक्रोग्लोसिडे परिवार** से संबंधित है और इसे **"मिनरवेरिया पेंटाली"** नाम दिया गया है।

डिक्रोग्लोसिडे परिवार के बारे में:

- **डिक्रोग्लोसिडे परिवार** अफ्रीका और एशिया और पापुआ न्यू गिनी के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों द्वारा वितरित अर्द्धजलीय मेंढकों की 202 प्रजातियों में शामिल हैं।
- परिवार में बड़े आकार (जैसे, जीनस होपलोबैट्राचस) और बौनी प्रजातियां शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 30 मिमी (जैसे, जीनस नैनोफ्रीज़) है।
- पश्चिमी घाट जैव विविधता हॉटस्पॉट से **नई मेंढक प्रजाति** की खोज की गई, जो भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट के साथ फैली हुई है, और अनुसंधान दल ने कहा है कि यह नई प्रजाति दक्षिणी पश्चिमी घाट के लिए स्थानिक है।

पश्चिमी घाट के बारे में:

- यह एक पर्वत श्रृंखला है जो कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और तमिलनाडु राज्यों को पार करते हुए भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के समानांतर 1,600 किमी के खंड में 160,000 किमी 2 (स्क्वायर किलोमीटर) के क्षेत्र को कवर करती है।
- यह UNESCO **की विश्व धरोहर स्थल है** और दुनिया में जैविक विविधता के आठ हॉटस्पॉट्स में से एक है।
- इसे अक्सर **'भारत का ग्रेट एस्कार्पमेंट'** कहा जाता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

6. SII के अध्यक्ष साइरस पूनावाला को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2021 का प्राप्तकर्ता नामित किया गया

चर्चा में क्यों?

- **साइरस पूनावाला**, जो पुणे स्थित **सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII)** के संस्थापक-अध्यक्ष हैं, को 2021 के लिए प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के रूप में नामित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- साइरस पूनावाला को COVID-19 महामारी के दौरान उनके काम के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिसमें उन्होंने कोविशील्ड वैक्सीन का निर्माण करके कई लोगों की जान बचाने में मदद की।

पुरस्कार के बारे में:

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि 1 अगस्त को दिया जाता है, लेकिन COVID-19 स्थिति के कारण इस वर्ष तिथि बदल दी गई है।
- पुरस्कार समारोह 13 अगस्त को होगा और पुरस्कार में एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक स्मृति चिन्ह शामिल है।
- यह पुरस्कार 1983 में शुरू किया गया था और अब तक, कई प्रमुख हस्तियों को इससे सम्मानित किया जा चुका है।
- कुछ प्राप्तकर्ताओं में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ मनमोहन सिंह, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति शामिल हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now